विवरणिका
2009-10
PROSPECTUS

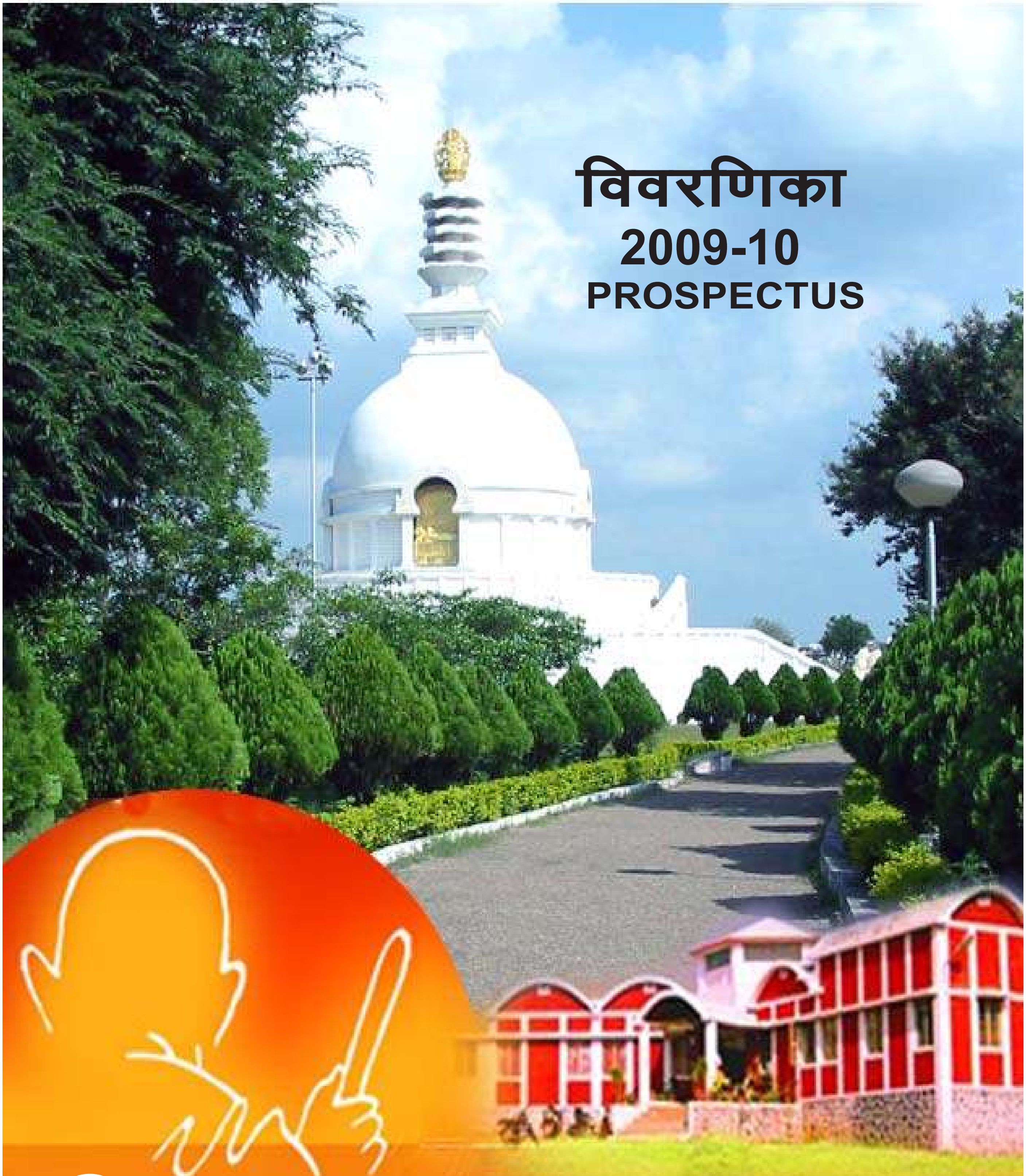

ज्ञान शान्ति मैत्री

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित)

मानस मंदिर पोस्ट-ऑफिस, पंचटीला, वर्धा-442 001 (महाराष्ट्र) भारत

फोन :(07152) 251661, फोन-फैक्स :(07152) 230 903

ई-मेल : hindiuni_wda@sanchrnet.in, info@hindivishwa.org,

वेबसाइट : hindivishwa.org

विवरणिका शुल्क : [एम.ए./एम.फिल./पी-एच.डी.]

1.	सामान्य वर्ग/अन्य पिछड़ा वर्ग	:	रु.200/-
2.	अनुसूचित जाति/जनजाति	:	रु.100/-
3.	विदेशी अभ्यर्थियों के लिए	:	$25 डालर

अनुक्रम

विवरण		पृष्ठ सं.
❖ कुलपति का सन्देश	:	05
❖ विश्वविद्यालय : संक्षिप्त परिचय	:	06
❖ विश्वविद्यालय के अध्ययन-विद्यापीठ	:	07
❖ भाषा विद्यापीठ	:	08
❖ साहित्य विद्यापीठ	:	14
❖ संस्कृति विद्यापीठ	:	17
❖ अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ	:	26
❖ विदेशी भाषा में दो वर्षीय डिप्लोमा	:	29
❖ विदेशियों के लिए हिन्दी पाठ्यक्रम	:	30
❖ आरक्षण	:	30
❖ छात्रावास	:	31
❖ प्रवेश सम्बन्धी नियम	:	31
❖ विद्यार्थियों को दी जानेवाली सुविधाएँ	:	32
❖ आवेदन प्राप्ति और जमा करने का पता	:	33
❖ अकादमिक कैलेण्डर	:	34
❖ 'लीला'	:	35
❖ कम्प्यूटर प्रयोगशाला	:	35
❖ पुस्तकालय	:	35
❖ दूर शिक्षा कार्यक्रम	:	36
❖ डॉ. भदन्त आनन्द कौसल्यायन बौद्ध-अध्ययन केन्द्र	:	38
❖ विश्वविद्यालय के अधिकारीगण	:	39
❖ आवेदन प्रपत्र (एम.ए./एम.फिल.)	:	41
❖ आवेदन प्रपत्र पी-एच.डी.	:	43
❖ प्रवेश-पत्र (एम.ए./एम.फिल./पी-एच.डी.)	:	45

कुलपति का संदेश

श्री विभूति नारायण राय, कुलपति

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के नये सत्र में आप सब का स्वागत है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना के पीछे सबसे महत्त्वपूर्ण उद्देश्य– ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों को हिन्दी के माध्यम से बड़े समुदाय के लिए उपलब्ध कराना है। पारम्परिक विश्वविद्यालयों से भिन्न यह विश्वविद्यालय अपने छात्रों एवं शोधार्थियों के समक्ष हिन्दी माध्यम से शोध एवं अध्ययन के नये क्षितिज खोल रहा है। इस वर्ष हम कई नये पाठ्यक्रम प्रारम्भ कर रहे हैं। यह सत्र इसलिए भी महत्त्वपूर्ण होगा कि पहली बार विश्वविद्यालय में सही अर्थों में कैम्पस जीवन की शुरुआत होगी। महिला छात्रावास, अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ का भवन, प्रशासनिक कार्यालय तथा अस्पताल के रूप में विश्वविद्यालय को नये भवन प्राप्त हो रहे हैं और आशा है कि इसी सत्र में संस्कृति विद्यापीठ तथा भाषा विद्यापीठ के भवन भी बनकर तैयार हो जाएँगे। पुस्तकालय के लिए भी नया भवन इस वर्ष प्राप्त होने की संभावना है। आशा है कि नये सत्र में विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्य– अध्यापक, छात्र तथा शिक्षकेतर कर्मचारी इसे नयी ऊँचाइयों तक ले जाएँगे।

(विभूति नारायण राय)

विश्वविद्यालय : संक्षिप्त परिचय

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय की स्थापना भारत की संसद द्वारा 1996 ई. में पारित अधिनियम के अन्तर्गत 1997 ई. में केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रूप में की गयी थी। देश का यह पहला अन्तरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कर्मभूमि सेवाग्राम (वर्धा) से छह किलोमीटर दूर मुम्बई-नागपुर हाइवे पर उमरी गाँव के निकट पंचटीला पर अवस्थित है। निर्माणाधीन **विश्वविद्यालय का क्षेत्रफल लगभग 212 एकड़** है।

इस विश्वविद्यालय की स्थापना सुदीर्घ प्रयत्नों का सुफल है। हिन्दी भाषा और साहित्य की उत्तरोत्तर उन्नति के साथ ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों में अध्ययन, अनुसन्धान और प्रशिक्षण के समर्थ माध्यम के रूप में हिन्दी का सम्यक् विकास इसका प्रधान लक्ष्य है। देश-दुनिया की भाषाओं के साथ हिन्दी के तुलनात्मक अध्ययन तथा उनसे अधुनातन अनुशासनों की अद्यतन ज्ञान-सामग्री का हिन्दी में अनुवाद और विकास भी विश्वविद्यालय की वरीय प्राथमिकता है। वर्तमान बहुभाषा-भाषी विश्व में एक समर्थ-सम्पन्न अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिन्दी की पहचान विश्वविद्यालय की प्रथम प्रतिश्रुति है।

इस विश्वविद्यालय में आवासीय परिसर के साथ साइबर परिसर की सह-परिकल्पना की गयी है। इसके लिए आधुनिकतम तकनीकी उपादानों को संयोजित किया गया है। साइबर परिसर को विश्वविद्यालय की वेबसाइट (website) के माध्यम से क्रियात्मक बनाया जा रहा है। पारम्परिक पुस्तकालय के साथ डिजिटल पुस्तकालय का विकास भी विश्वविद्यालय की योजना का अंग है। मौलिक और मानक-ग्रन्थों का प्रकाशन, दुर्लभ पाण्डुलिपियों, चित्रों, दस्तावेजों आदि का संग्रह, विश्वकोशों और सन्दर्भ-कोशों का निर्माण आदि विश्वविद्यालय की अनूठी योजनाएँ हैं।

विद्यापीठ

अधिनियम के अनुसार विश्वविद्यालय के निम्नलिखित अध्ययन-विद्यापीठ हैं :—

1) **भाषा विद्यापीठ** [इसके अन्तर्गत निम्नलिखित विभागों/केन्द्रों की स्थापना की गयी है]
   - (क) भाषा-प्रौद्योगिकी विभाग
   - (ख) कम्प्यूटेशनल भाषा विज्ञान विभाग
   - (ग) प्रौद्योगिकी अध्ययन केन्द्र
   - (घ) भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केन्द्र

2) **साहित्य विद्यापीठ**
   - (क) साहित्य विभाग

3) **संस्कृति विद्यापीठ** [इसके अन्तर्गत निम्नलिखित विभागों/केन्द्रों की स्थापना की गयी है]
   - (क) अहिंसा एवं शांति अध्ययन विभाग
   - (ख) स्त्री अध्ययन विभाग
   - (ग) जनसंचार माध्यम एवं सम्प्रेषण विभाग
   - (घ) बाबा साहेब अम्बेडकर दलित एवं जनजाति अध्ययन केन्द्र
   - (च) महात्मा गांधी फ्यूजी-गुरुजी शांति अध्ययन केन्द्र

4) **अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ**
   - (क) अनुवाद प्रौद्योगिकी विभाग
   - (ख) विदेशी भाषा अनुवाद एवं निर्वचन केन्द्र

पाठ्यक्रम

1. भाषा–विद्यापीठ

आज की रोजगारोन्मुख एवं प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति को देखते हुए हिन्दी भाषा को एक नवीन दृष्टि और दिशा देना महत्त्वपूर्ण हो गया है, चाहे वह भाषा का सैद्धान्तिक दृष्टिकोण हो या अनुप्रयोगात्मक क्षेत्र अथवा अभियांत्रिकी या प्रौद्योगिकी पक्ष। इनसे जुड़े बिना आज हिन्दी भाषा का समुचित विकास तथा संवर्धन संभव नहीं हो सकता। इस अवधारणा को केन्द्र में रखते हुए हिन्दी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करने के लक्ष्य की प्राप्ति हेतु भाषा विद्यापीठ की स्थापना की गई है, जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित विभाग/केन्द्र स्थापित किए गए हैं।

- भाषा-प्रौद्योगिकी विभाग
- कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग
- प्रौद्योगिकी अध्ययन केन्द्र
- भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केन्द्र

1.1. भाषा–प्रौद्योगिकी विभाग

भूमंडलीकरण के इस युग में विश्व की दूसरी सबसे बड़ी भाषा हिन्दी को प्रौद्योगिकी से जोड़कर हिन्दी के सर्वांगीण विकास हेतु एम.ए. हिन्दी (भाषा-प्रौद्योगिकी), एम.फिल. हिन्दी (भाषा-प्रौद्योगिकी), पी-एच.डी. हिन्दी (भाषा-प्रौद्योगिकी) जैसे पाठ्यक्रमों का संचालन इस विभाग के अन्तर्गत हो रहा है।

1.1.1. एम.ए. हिन्दी (भाषा–प्रौद्योगिकी)

यह दो-वर्षीय नियमित पाठ्यक्रम है जिसके अन्तर्गत हिन्दी भाषाविज्ञान के सैद्धान्तिक एवं अनुप्रयुक्त क्षेत्र यथा– भाषा, भाषा-परिवार, स्वनविज्ञान, रूपविज्ञान, वाक्यविज्ञान, अर्थविज्ञान, शैलीविज्ञान, कोशविज्ञान, भाषाशिक्षण, अनुवाद-विज्ञान, समाजभाषाविज्ञान, मनोभाषाविज्ञान, भाषा-प्रौद्योगिकी की अवधारणा, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग भाषा, प्राकृतिक भाषा संसाधन आदि का अध्ययन किया जाता है।

64 क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम चार छमाहियों में पूर्ण होता है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है, जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का होता है। इस पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता : किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 50 प्रतिशत (अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 45 प्रतिशत) अंकों के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण।

शुल्क

प्रवेश शुल्क	:	रु.	150.00
छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	500.00
सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	:	रु.	250.00
पुस्तकालय/प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	200.00
पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
परिचय पत्र शुल्क	:	रु.	20.00

सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क	:	रु.	25.00
इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	200.00
चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
अकादेमिक/परियोजना भ्रमण	:	रु.	110.00
		रु.	**1605.00**

1.1.2. एम.फिल. हिन्दी (भाषा-प्रौद्योगिकी)

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत शोध-प्रविधि, भाषाशिक्षण, प्रयोजनमूलक हिन्दी, भाषा-प्रौद्योगिकी, कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग भाषा, प्राकृतिक भाषा संसाधन एवं अनुप्रयोग आदि का अध्ययन किया जाता है। विद्यार्थी अपना लघु शोधप्रबंध लेखन कार्य सैद्धान्तिक भाषाविज्ञान या अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान के किसी भी क्षेत्र में कर सकता है।

यह एक वर्षीय नियमित पाठ्यक्रम 22 क्रेडिट का होता है, जो दो छमाहियों में पूर्ण होता है। प्रथम छमाही में नियमित कक्षाएँ होंगी, जिसमें 12 क्रेडिट के तीन प्रश्नपत्र होंगे और द्वितीय छमाही में विद्यार्थी 8 क्रेडिट का लघु शोध-प्रबंध पूर्ण करेंगे और 2 क्रेडिट की मौखिक परीक्षा होगी। इस पाठ्यक्रम में कुल 14 सीटें हैं।

योग्यता : भाषाविज्ञान/अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान/भाषा-प्रौद्योगिकी/अनुवाद प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स में न्यूनतम 55 प्रतिशत *(अनुसूचित जाति तथा* अनुसूचित *जनजाति के लिए 50 प्रतिशत)* अंकों के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर (एम.ए.) परीक्षा उत्तीर्ण।

शुल्क

प्रवेश शुल्क	:	रु.	150.00
छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	500.00
सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	:	रु.	250.00
पुस्तकालय/प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	200.00
पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	125.00
परिचय पत्र शुल्क	:	रु.	20.00
सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क	:	रु.	25.00
इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	200.00
चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
अकादेमिक/परियोजना भ्रमण	:	रु.	300.00
		रु.	**1870.00**

1.1.3. पी-एच.डी. हिन्दी (भाषा-प्रौद्योगिकी)

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत शोधार्थी सैद्धान्तिक भाषाविज्ञान या अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान के किसी भी क्षेत्र में अपना शोध कार्य कर सकता है।

योग्यता : (क) भाषाविज्ञान/अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान/भाषा-प्रौद्योगिकी/अनुवाद प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स में न्यूनतम 55 प्रतिशत *(अनुसूचित जाति तथा* अनुसूचित *जनजाति के लिए 50 प्रतिशत)* अंकों के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर (एम.ए.) परीक्षा उत्तीर्ण।

अथवा

(ख) किसी भी अन्य अनुशासन में न्यूतम 55 प्रतिशत *(अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 50 प्रतिशत)* अंकों के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर एवं भाषाविज्ञान/अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान/भाषा-प्रौद्योगिकी/अनुवाद प्रौद्योगिकी/कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स में एम.फिल. परीक्षा उत्तीर्ण।

वांछनीय योग्यता : योग्यता (क) में निर्दिष्ट विषयों में एम.फिल./जे.आर.एफ./नेट/अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा उत्तीर्ण।

शुल्क

पंजीकरण शुल्क	:	रु.	300.00	(केवल प्रवेश के समय)
कम्प्यूटर शुल्क	:	रु.	1000.00	(प्रति वर्ष)
पुस्तकालय शुल्क	:	रु.	300.00	(प्रति वर्ष)
प्रतिभूति राशि	:	रु.	1000.00	(प्रतिदेय)
परीक्षा शुल्क	:	रु.	1000.00	(शोध प्रस्तुति के समय)
चिकित्सा शुल्क	:	रु.	50.00	(वार्षिक)
		रु.	**3650.00**	

1.2. कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान विभाग

हिन्दी भाषा को कम्प्यूटर के साथ जोड़ते हुए अन्य प्रौद्योगिकी एवं गैर-प्रौद्योगिकी संस्थाओं की मांग को देखते हुए इस विषय पर गंभीर अध्ययन व शोध के साथ-साथ विषय के प्रति प्रतिबद्धता पैदा करने के उद्देश्य से यह विभाग स्थापित किया गया है। इस विभाग के अन्तर्गत एम.ए. (कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स), एम. फिल. (कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स), पी-एच.डी. (कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स) पाठ्यक्रम हैं।

1.2.1. एम.ए. (कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स)

यह दो-वर्षीय नियमित पाठ्यक्रम है जिसके अन्तर्गत कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स के सैद्धान्तिक एवं अनुप्रयुक्त क्षेत्र यथा—कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग भाषा, प्राकृतिक भाषा संसाधन, प्राकृतिक भाषा संसाधन आदि का अध्ययन किया जाता है।

64 क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम चार छमाहियों में पूर्ण होता है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है, जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का होता है।

योग्यता : किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 50 प्रतिशत (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 45 प्रतिशत) अंकों के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण।

शुल्क

प्रवेश शुल्क	:	रु.	150.00
छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	500.00
सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	:	रु.	250.00
पुस्तकालय/प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	1500.00
पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
परिचय पत्र शुल्क	:	रु.	20.00
सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क	:	रु.	25.00
इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	2500.00
चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
अकादमिक/परियोजना भ्रमण	:	रु.	110.00
		रु.	**5205.00**

1.3. प्रौद्योगिकी अध्ययन केन्द्र

प्रौद्योगिकी अध्ययन केन्द्र (भाषा-प्रौद्योगिकी, अनुवाद प्रौद्योगिकी, सूचना-प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला) विश्वस्तरीय उच्चमानकता के साथ कम्प्यूटर विज्ञान, सूचना-प्रौद्योगिकी एवं इनके अनुप्रयुक्त क्षेत्र में प्रशिक्षण देने तथा गहन शोधकार्य करने हेतु अपनी अत्याधुनिक प्रयोगशाला के द्वारा भाषा-प्रौद्योगिकी, अनुवाद प्रौद्योगिकी और सूचना-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोध एवं विकास की दृष्टि से हिन्दी को अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करने के लिए समर्पित हैं। इस केन्द्र की प्राथमिकता विश्वविद्यालय में प्रौद्योगिकी के राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय विकास से सम्बन्धित शिक्षा के अन्य अनुशासनों को मदद देने तथा ई-कैम्पस एवं ई-कल्चर को बढ़ावा देना भी है। इस केन्द्र में स्नातकोत्तर एवं शोध स्तरीय तथा सर्टिफिकेट एवं डिप्लोमा स्तरीय पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं।

1.3.1. मास्टर ऑफ इन्फॉरमेटिक्स एन्ड लैंग्वेज इंजीनियरिंग (एम.आई.एल.ई.)

इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत भाषा से जुड़े सूचना एवं अभियांत्रिकी क्षेत्र का अध्ययन किया जाता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी भाषा को लेकर नई अवधारणा का विकास करना है। इस पाठ्यक्रम में भाषा-अभियांत्रिकी एवं सूचना-प्रौद्योगिकी से संबद्ध विविध प्रयोगात्मक क्षेत्रों के अध्ययन पर बल दिया जाएगा। 64 क्रेडिट का यह पाठ्यक्रम चार छमाहियों में पूर्ण होता है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है, जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का होता है।

योग्यता : (क) किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर विज्ञान या सूचना-प्रौद्योगिकी में न्यूनतम 50 प्रतिशत (अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 45 प्रतिशत) अंकों के साथ स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण। हिन्दी व अंग्रेजी भाषा का ज्ञान अनिवार्य।

अथवा

(ख) योग्यता (क) में निर्दिष्ट अनुशासन को छोड़कर अन्य किसी भी अनुशासन में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 50 प्रतिशत (अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 45 प्रतिशत) अंकों के साथ स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) उत्तीर्ण एवं कम्प्यूटर एप्लिकेशन/सूचना-प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा।

शुल्क

प्रवेश शुल्क	:	रु.	150.00
छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	500.00
सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	:	रु.	250.00
पुस्तकालय/प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	1500.00
पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
परिचय पत्र शुल्क	:	रु.	20.00
सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क	:	रु.	25.00
इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	2500.00
चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
अकादमिक/परियोजना भ्रमण	:	रु.	110.00
		रु.	**5205.00**

1.3.2. पी–एच.डी. (इन्फॉरमेटिक्स एन्ड लैंग्वेज इंजीनियरिंग)

यह पाठ्यक्रम सूचना-प्रौद्योगिकी एवं भाषा-अभियांत्रिकी से संबद्ध क्षेत्रों में अधुनातन शोध को प्रोत्साहित करने एवं नई अवधारणाओं का विकास करने।

योग्यता : (क) प्रोग्रामिंग भाषा की जानकारी के साथ किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स/ भाषा-प्रौद्योगिकी/ अनुवाद प्रौद्योगिकी में एम.ए. न्यूनतम 55 प्रतिशत (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50 प्रतिशत) अंकों के साथ उत्तीर्ण।

अथवा

(ख) किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से भाषाविज्ञान/अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान में एम.ए. न्यूनतम 55 प्रतिशत (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50 प्रतिशत) अंकों के साथ उत्तीर्ण एवं कम्प्यूटर विज्ञान/ सूचना-प्रौद्योगिकी में डिग्री/डिप्लोमा।

अथवा

(ग) किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कम्प्यूटर विज्ञान/सूचना-प्रौद्योगिकी में एम.टेक./ एम. सी.ए./एम.एस.सी. अथवा एम.आई.एल.ई. न्यूनतम 55 प्रतिशत (अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50 प्रतिशत) अंकों के साथ उत्तीर्ण।

शुल्क

पंजीकरण शुल्क	:	रु.	300.00	(केवल प्रवेश के समय)
इन्टरनेट शुल्क	:	रु.	1500.00	(प्रति वर्ष)
प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	1500.00	(प्रति वर्ष)
पुस्तकालय शुल्क	:	रु.	300.00	(प्रति वर्ष)
प्रतिभूति राशि	:	रु.	1000.00	(प्रतिदेय)
परीक्षा शुल्क	:	रु.	1000.00	(शोध प्रस्तुति के समय)
चिकित्सा शुल्क	:	रु.	50.00	(वार्षिक)
		रु.	**5650.00**	

सर्टिफिकेट/डिप्लोमा

प्रौद्योगिकी अध्ययन केन्द्र द्वारा प्रौढ़ सतत शिक्षा विस्तार एवं सुदूर क्षेत्र केन्द्र के सहयोग से निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

1.3.3. सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लिकेशन (सी.सी.ए.)

यह एक अंशकालिक पाठ्यक्रम है, जो 16 क्रेडिट का होता है जिसमें 4-4 क्रेडिट के तीन प्रश्न-पत्र एवं 4 क्रेडिट का परियोजना-कार्य होता है।

योग्यता : किसी भी अनुशासन में 10+2 उत्तीर्ण।

शुल्क

छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	1000.00
प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	750.00
परीक्षा शुल्क (प्रथम छमाही)	:	रु.	250.00
		रु.	**2000.00**

1.3.4. डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लिकेशन (डी.सी.ए.)

यह एक वर्षीय अंशकालिक पाठ्यक्रम है, जो दो छमाही में पूर्ण होता है। 32 क्रेडिट के इस पाठ्यक्रम की प्रथम छमाही (सी.सी.ए.) में 16 क्रेडिट एवं द्वितीय छमाही में 16 क्रेडिट होते हैं, जिसमें 4-4 क्रेडिट के दो प्रश्न-पत्र एवं 8 क्रेडिट का एक परियोजना-कार्य होता है।

योग्यता : डी.सी.ए. के लिए सी.सी.ए. उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

शुल्क

छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	2000.00
प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	750.00
परीक्षा शुल्क (प्रथम छमाही+द्वितीय छमाही)	:	रु.	500.00
		रु.	**3250.00**

1.4. भारतीय एवं विदेशी भाषा प्रगत अध्ययन केन्द्र

यह केन्द्र भारतीय एवं विदेशी भाषाओं एवं पारंपरिक संस्कृति की शिक्षा के माध्यम से राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय परिदृश्य के अनुरूप भारतीयों तथा विदेशियों को शिक्षा देने के उद्देश्य से स्थापित किया गया है। इस केन्द्र के अन्तर्गत निम्नलिखित डिप्लोमा/ओरिएन्टेशन/ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

1.4.1. विश्वभाषा हिन्दी (डिप्लोमा/ओरिएन्टेशन/ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम)

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विदेशियों के लिए हिन्दी के सम्प्रेषणात्मक, प्रयोजनमूलक, साहित्यिक तथा सांस्कृतिक घटकों की जानकारी प्रदान करना है। ये पाठ्यक्रम 6—12 माह के हैं।

शुल्क

छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	1000.00
परीक्षा शुल्क (प्रथम छमाही+द्वितीय छमाही)	:	रु.	500.00
		रु.	**1500.00**

1.4.2. संस्कृत में डिप्लोमा

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य संस्कृत भाषा व साहित्य की सैद्धान्तिक एवं व्यावहारिक आधारभूत जानकारी देना है। पाठ्यक्रम सामग्री में प्राथमिक जानकारी से लेकर संभाषण तक को शामिल किया गया है। यह एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम है।

योग्यता : किसी भी विषय में 10+2 परीक्षा उत्तीर्ण।

शुल्क : **रु. 900.00** (वार्षिक)

2. साहित्य विद्यापीठ

विश्वविद्यालय अधिनियम के अन्तर्गत मान्य चार विद्यापीठों में से साहित्य विद्यापीठ एक प्रमुख विद्यापीठ है। हिन्दी साहित्य का भारतीय तथा विश्व भाषाओं के साहित्य के साथ संवाद और तुलनात्मक अध्ययन एवं शोध इस विद्यापीठ का प्रधान लक्ष्य है।

विद्यापीठ की मूल संकल्पना देश-दुनिया के भाषायी एवं साहित्यिक वैविध्य के पीछे सक्रिय समान मानवीय मस्तिष्क और उसकी सृजनशीलता में साम्य की धारणा पर अवलम्बित है। भाषा और साहित्य अनेक और बहुविध हैं, किन्तु उनका सर्जक मानस और आस्वादक चित्त, अपने संस्कारों के भेद के बावजूद, बुनियादी प्रकृति में एक-सा है। इस कारण विभिन्न भाषाओं के साहित्य के बीच संवाद की अपार सम्भावनाएँ हैं। इन सम्भावनाओं का सन्धान और शोध विद्यापीठ की वरीय प्राथमिकता है। इससे अकादमिक उद्देश्यों के साथ-साथ राष्ट्रीय भावात्मक एकता तथा मानवीय सह-भाव भी सम्पुष्ट होता है।

साहित्य समावेशी (सर्वाश्लेषी) विद्या है। ज्ञान के विभिन्न अनुशासनों और कलाओं के साथ उसका घनिष्ठ एवं प्रगाढ़ सम्बन्ध परम्परा से ही सर्वविदित है। इधर विकसित नयी प्रौद्योगिकी और तज्जनित विभिन्न माध्यमों से भी साहित्य का अपरिहार्य सम्बन्ध विकसित हुआ है। इस दृष्टि से अन्तरानुशासनिक अध्ययन एवं शोध भी साहित्य विद्यापीठ की प्रतिश्रुति है।

फिलहाल, साहित्य विद्यापीठ के अन्तर्गत साहित्य विभाग में हिन्दी (तुलनात्मक साहित्य) के एम.ए., एम.फिल. एवं पी-एच.डी. पाठ्यक्रम संचालित हैं। इसके अलावा विदेशी विद्यार्थियों के लिए हिन्दी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति का बी.ए. पाठ्यक्रम, तुलनात्मक भारतीय साहित्य और हिन्दुस्तानी में स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रस्तावित हैं। इस सत्र से नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन का स्वतन्त्र विभाग एवं उसमें एम.ए. पाठ्यक्रम प्रस्तावित है। यथासमय एम.फिल. एवं पी-एच.डी. पाठ्यक्रम भी प्रस्तावित होंगे।

2.1. एम. ए. हिन्दी (तुलनात्मक साहित्य)

एम.ए. हिन्दी (तुलनात्मक साहित्य) दो वर्षीय पाठ्यक्रम है जो चार छमाहियों में पूरा होता है। इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत तुलनात्मक अध्ययन प्रविधि के साथ हिन्दी साहित्य के अतिरिक्त भारतीय भाषाओं के साहित्य एवं विश्व साहित्य का अध्ययन शामिल है। चार छमाहियों का यह नियमित पाठ्यक्रम 64 क्रेडिट का है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में इस सत्र में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता : किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण। *(अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 45 प्रतिशत)*

शुल्क

प्रवेश शुल्क	:	रु.	150.00
छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	500.00
सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	:	रु.	250.00
पुस्तकालय/प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	200.00
पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
परिचय पत्र शुल्क	:	रु.	20.00
सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क	:	रु.	25.00
इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	200.00
चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
अकादमिक/परियोजना भ्रमण	:	रु.	110.00
		रु.	**1605.00**

2.2. एम.फिल. हिन्दी (तुलनात्मक साहित्य)

एम.फिल. हिन्दी (तुलनात्मक साहित्य) एक वर्ष का पाठ्यक्रम है जो दो छमाहियों में पूरा होता है। पहली छमाही में तीन प्रश्न-पत्र होंगे। दूसरी छमाही में एक लघुशोध प्रबन्ध प्रस्तुत करना होगा और एक मौखिक परीक्षा भी ली जाएगी। पूरा पाठ्यक्रम 22 क्रेडिट का है। पहली छमाही में तीन प्रश्न-पत्र 12 क्रेडिट के होंगे और दूसरी छमाही में लघु शोध-प्रबंध 8 क्रेडिट और मौखिक परीक्षा 2 क्रेडिट की होगी। इस पाठ्यक्रम में इस सत्र में कुल 14 सीटें हैं।

योग्यता : सम्बद्ध अनुशासन में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। *(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50 प्रतिशत)*

सम्बद्ध अनुशासन :

हिन्दी (तुलनात्मक साहित्य)/हिन्दी अथवा अन्य कोई साहित्य/संगीत/ललित कलाएँ/नाटक/तुलनात्मक साहित्य/मानविकी के अन्तर्गत अन्य विषय (समाज विज्ञानों को छोड़कर)।

शुल्क

प्रवेश शुल्क	:	रु.	150.00
छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	500.00
सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	:	रु.	250.00
पुस्तकालय/प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	200.00
पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	125.00
परिचय पत्र शुल्क	:	रु.	20.00
सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क	:	रु.	25.00
इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	200.00
चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
अकादमिक/परियोजना भ्रमण	:	रु.	300.00
		रु.	**1870.00**

2.3. पी-एच.डी. हिन्दी (तुलनात्मक साहित्य)

पी-एच.डी. हिन्दी (तुलनात्मक साहित्य) के अन्तर्गत सत्र : 2006-07 से पी-एच.डी. पाठ्यक्रम चल रहा है। पाठ्यक्रम की अवधि न्यूनतम 02 और अधिकतम 05 वर्ष है। सीटों की संख्या शोध निर्देशकों और रिक्त स्थानों के आधार पर निर्धारित होगी।

योग्यता :

सम्बद्ध अनुशासन में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। *(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50 प्रतिशत)*

वांछनीय :

सम्बद्ध अनुशासन में एम.फिल./जे.आर.एफ./नेट/स्लेट (जून 2002 से पहले) या यू.जी.सी. द्वारा मान्य अन्य राष्ट्रीय परीक्षा।

सम्बद्ध अनुशासन :

हिन्दी (तुलनात्मक साहित्य)/हिन्दी अथवा अन्य कोई साहित्य/संगीत/ललित कलाएँ/नाटक/तुलनात्मक साहित्य/मानविकी के अन्तर्गत अन्य विषय (समाज विज्ञानों को छोड़कर)।

शुल्क

पंजीकरण शुल्क	:	रु.	300.00	(केवल प्रवेश के समय)
कम्प्यूटर शुल्क	:	रु.	1000.00	(प्रति वर्ष)
पुस्तकालय शुल्क	:	रु.	300.00	(प्रति वर्ष)
प्रतिभूति राशि	:	रु.	1000.00	(प्रतिदेय)
परीक्षा शुल्क	:	रु.	1000.00	(शोध प्रस्तुति के समय)
चिकित्सा शुल्क	:	रु.	50.00	(वार्षिक)
		रु.	**3650.00**	

2.4. स्नातकोत्तर डिप्लोमा : तुलनात्मक भारतीय साहित्य

यह एक वर्ष का पाठ्यक्रम है जो दो छमाहियों में पूरा होगा। पहली छमाही में चार प्रश्नपत्र होंगे और दूसरी छमाही में भी चार प्रश्नपत्र होंगे। दूसरी छमाही में दो प्रश्नपत्रों के साथ परियोजना-कार्य और मौखिकी भी पाठ्यचर्या का अंग होगी। सम्पूर्ण पाठ्यक्रम 32 क्रेडिट का होगा। इस सत्र में प्रवेश हेतु कुल 10 सीटें होंगी।

योग्यता एवं प्रवेश : 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक/स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण (अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 45 प्रतिशत अंक)। साहित्य, कला और मानविकी अनुशासनों से सम्बद्ध अभ्यर्थियों को वरीयता। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश एम.फिल./पी-एच.डी. पाठ्यक्रम के साथ भी लिया जा सकता है। प्रवेश सीधे मेरिट/और साक्षात्कार पर आधारित।

शुल्क : रु.1500/-

2.5. स्नातकोत्तर डिप्लोमा : हिन्दुस्तानी

योग्यता एवं प्रवेश : किसी भी अनुशासन में 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक/स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण (अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 45 प्रतिशत अंक)। इस पाठ्यक्रम में प्रवेश एम.फिल./पी-एच.डी. पाठ्यक्रम के साथ भी लिया जा सकता है। प्रवेश सीधे मेरिट और साक्षात्कार पर आधारित।

शुल्क : रु.1500/-

2.6. एम.ए. नाट्यकला एवं फिल्म अध्ययन

यह दो वर्षीय पाठ्यक्रम है जो चार छमाहियों में पूरा होता है। चार छमाहियों का यह नियमित पाठ्यक्रम 64 क्रेडिट का है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में इस सत्र में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता : किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण। *(अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 45 प्रतिशत)*

प्रवेश प्रक्रिया में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय, नई दिल्ली अथवा भारतेन्दु नाट्य अकादमी जैसे राष्ट्रीय महत्त्व के नाट्य अथ्वा फिल्म संस्थानों से डिप्लोमा प्राप्त अभ्यर्थी बिना लिखित परीक्षा के सीधे साक्षात्कार के लिए बुलाए जाएँगे।

शुल्क – विद्यापरिषद् के अनुमोदन के उपरान्त तय किया जाएगा।

3. संस्कृति विद्यापीठ

इस विद्यापीठ के अन्तर्गत ज्ञान के प्रचलित अनुशासनों यथा—मानविकी व समाज विज्ञान से जुड़े अंतर-अनुशासनात्मक विषय के रूप में निम्नलिखित विभागों में निम्नांकित पाठ्यक्रम चल रहे हैं :—

अहिंसा एवं शांति अध्ययन केन्द्र :

(1) एम.ए. अहिंसा एवं शांति अध्ययन
(2) एम.फिल. अहिंसा एवं शांति अध्ययन
(3) पी-एच.डी. अहिंसा एवं शांति अध्ययन

स्त्री अध्ययन विभाग :

(1) एम.ए. स्त्री अध्ययन
(2) एम.फिल. स्त्री अध्ययन
(3) पी-एच.डी. स्त्री अध्ययन
(4) स्त्री अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा (2 वर्ष, अंशकालिक)

जनसंचार विभाग :

(1) एम.ए. जनसंचार माध्यम एवं सम्प्रेषण
(2) एम.फिल. जनसंचार माध्यम एवं सम्प्रेषण
(3) पी-एच.डी. जनसंचार माध्यम एवं सम्प्रेषण

डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर दलित एवं जनजाति अध्ययन केन्द्र :

(1) एम.ए. दलित एवं जनजाति अध्ययन

महात्मा गांधी फ्यूजी-गुरुजी शांति अध्ययन केन्द्र :

(1) मास्टर आफ सोशल वर्क (एम.एस.डब्ल्यू.)

3.1. अहिंसा एवं शांति अध्ययन केन्द्र

3.1.1. एम. ए. अहिंसा एवं शांति अध्ययन

विश्वविद्यालय में वैश्विक स्तर पर बढ़ती जा रही हिंसात्मक मनोवृत्ति को दृष्टि में रखकर गांधीवादी मूल्यों के संवर्द्धन एवं संरक्षण के उद्देश्य से एम.ए. अहिंसा एवं शांति अध्ययन में दो वर्षीय पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम चार छमाहियों में पूरा होता है। यह पाठ्यक्रम 64 क्रेडिट का है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता :

किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण। *(अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 45 प्रतिशत)*

शुल्क

प्रवेश शुल्क	:	रु.	150.00
छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	500.00
सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	:	रु.	250.00
पुस्तकालय/प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	200.00
पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
परिचय पत्र शुल्क	:	रु.	20.00
सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क	:	रु.	25.00
इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	200.00
चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
अकादमिक/परियोजना भ्रमण	:	रु.	110.00
		रु.	**1605.00**

3.1.2. एम.फिल. अहिंसा एवं शांति अध्ययन

अहिंसा सम्बन्धी मूल्यों एवं सिद्धान्तों के प्रति गंभीर अध्ययन व शोध के साथ-साथ मानवता के लिए प्रतिबद्धता पैदा करने के उद्देश्य से यह पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम एक वर्ष का है जो दो छमाहियों में पूरा होता है। पहली छमाही में तीन प्रश्न-पत्र होंगे। दूसरी छमाही में एक लघुशोध प्रबंध प्रस्तुत करना होगा और एक मौखिक परीक्षा भी ली जाएगी। पूरा पाठ्यक्रम 22 क्रेडिट का है। पहली छमाही में तीन प्रश्न-पत्र-12 क्रेडिट के होंगे और दूसरी छमाही में लघु शोधप्रबंध 8 क्रेडिट का और मौखिक परीक्षा 2 क्रेडिट की होगी। इस पाठ्यक्रम में कुल 14 सीटें हैं।

योग्यता :

सम्बद्ध अनुशासन मानविकी या समाज विज्ञान की किसी भी विधा में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। *(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50 प्रतिशत)*

शुल्क

प्रवेश शुल्क	:	रु.	150.00
छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	500.00
सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	:	रु.	250.00
पुस्तकालय/प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	200.00
पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	125.00
परिचय पत्र शुल्क	:	रु.	20.00
सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क	:	रु.	25.00
इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	200.00
चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
अकादमिक/परियोजना भ्रमण	:	रु.	300.00
		रु.	**1870.00**

3.1.3. पी-एच.डी. अहिंसा एवं शांति अध्ययन

अहिंसा एवं शांति अध्ययन के अन्तर्गत पी-एच.डी. पाठ्यक्रम चल रहा है।

योग्यता :

सम्बद्ध अनुशासन में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। *(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50 प्रतिशत)*

वांछनीय :

सम्बद्ध अनुशासन में एम.फिल./जे.आर.एफ./नेट/अन्य राष्ट्रीय परीक्षा।

शुल्क

पंजीकरण शुल्क	:	रु.	300.00	(केवल प्रवेश के समय)
कम्प्यूटर शुल्क	:	रु.	1000.00	(प्रति वर्ष)
पुस्तकालय शुल्क	:	रु.	300.00	(प्रति वर्ष)
प्रतिभूति राशि	:	रु.	1000.00	(प्रतिदेय)
परीक्षा शुल्क	:	रु.	1000.00	(शोध प्रस्तुति के समय)
चिकित्सा शुल्क	:	रु.	50.00	(वार्षिक)
		रु.	**3650.00**	

3.2. स्त्री अध्ययन विभाग

3.2.1. एम. ए. स्त्री अध्ययन

हिन्दी में अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर स्त्री विमर्श को विस्तार देने की दृष्टि से एम.ए. स्त्री अध्ययन में दो वर्षीय पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम चार छमाहियों में पूरा होता है। यह पाठ्यक्रम 64 क्रेडिट का है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता :

किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण। *(अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 45 प्रतिशत)*

शुल्क

प्रवेश शुल्क	:	रु.	150.00
छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	500.00
सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	:	रु.	250.00
पुस्तकालय/प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	200.00
पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
परिचय पत्र शुल्क	:	रु.	20.00
सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क	:	रु.	25.00
इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	200.00
चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
अकादमिक/परियोजना भ्रमण	:	रु.	110.00
		रु.	**1605.00**

3.2.2. एम.फिल. स्त्री अध्ययन

एम.फिल. स्त्री अध्ययन पाठ्यक्रम एक वर्ष का है जो दो छमाहियों में पूरा होता है। पहली छमाही में तीन प्रश्न-पत्र होंगे। दूसरी छमाही में एक लघुशोध प्रबंध प्रस्तुत करना होगा और एक मौखिक परीक्षा भी ली जाएगी। पूरा पाठ्यक्रम 22 क्रेडिट का है। पहली छमाही में तीन प्रश्न-पत्र-12 क्रेडिट के होंगे और दूसरी छमाही में लघु शोधप्रबंध 8 क्रेडिट का और मौखिक परीक्षा 2 क्रेडिट की होगी। इस पाठ्यक्रम में कुल 14 सीटें हैं।

योग्यता :

सम्बद्ध अनुशासन या समाज विज्ञान की किसी भी विधा में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। *(अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 50 प्रतिशत)*

शुल्क

प्रवेश शुल्क	:	रु.	150.00
छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	500.00
सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	:	रु.	250.00
पुस्तकालय/प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	200.00
पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	125.00
परिचय पत्र शुल्क	:	रु.	20.00
सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क	:	रु.	25.00
इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	200.00
चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
अकादमिक/परियोजना भ्रमण	:	रु.	300.00
		रु.	**1870.00**

3.2.3. पी-एच.डी. स्त्री अध्ययन

पी-एच.डी. स्त्री अध्ययन के अन्तर्गत पी-एच.डी. पाठ्यक्रम चल रहा है।

योग्यता :

सम्बद्ध अनुशासन में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। *(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50 प्रतिशत)*

वांछनीय : सम्बद्ध अनुशासन में एम.फिल./जे.आर.एफ./नेट/अन्य राष्ट्रीय परीक्षा।

शुल्क

पंजीकरण शुल्क	:	रु.	300.00	(केवल प्रवेश के समय)
कम्प्यूटर शुल्क	:	रु.	1000.00	(प्रति वर्ष)
पुस्तकालय शुल्क	:	रु.	300.00	(प्रति वर्ष)
प्रतिभूति राशि	:	रु.	1000.00	(प्रतिदेय)
परीक्षा शुल्क	:	रु.	1000.00	(शोध प्रस्तुति के समय)
चिकित्सा शुल्क	:	रु.	50.00	(वार्षिक)
		रु.	**3650.00**	

3.2.4. स्त्री अध्ययन में पी.जी. डिप्लोमा

यह दो-वर्षीय अंशकालिक पाठ्यक्रम है।

योग्यता : किसी भी अनुशासन में मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण।

शुल्क : रु. 1500/-

3.3. जनसंचार विभाग

3.3.1. एम. ए. जनसंचार माध्यम एवं सम्प्रेषण

भारतीय समाज में संचार माध्यमों एवं सम्प्रेषण के क्षेत्रों में हिन्दी का प्रयोग उत्तरोत्तर बढ़ा है और नयी-नयी जनसंचार प्रौद्योगिकियाँ आ रही हैं जिनमें हिन्दी के प्रयोग और रोजगार की नये प्रकार की सम्भावनाएँ भी उद्‌भूत हो रही हैं।

जनसंचार, सम्प्रेषण और पत्रकारिता का यह पाठ्‌यक्रम इस दृष्टि से भी विशिष्ट है क्योंकि इसमें सम्प्रेषण-सिद्धान्त, जनसंचार के सिद्धान्त, संचार शोध, सांस्कृतिक सम्प्रेषण और अन्तरराष्ट्रीय संचार के साथ-साथ मुद्रित और दृश्य-श्रव्य माध्यमों के लिए पत्रकारिता को शामिल किया गया है। यह पाठ्‌यक्रम चार छमाहियों में पूरा होता है। कुल 64 क्रेडिट का यह पाठ्‌यक्रम है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का है। इस पाठ्‌यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता :

किसी भी किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक (10+2+3 पाठ्‌यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण। *(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 45 प्रतिशत)*

शुल्क

प्रवेश शुल्क	:	रु.	150.00
छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	800.00
सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	:	रु.	1000.00
पुस्तकालय/प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	500.00
पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	30.00
इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	120.00
चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
परिचय पत्र शुल्क	:	रु.	20.00
विद्यार्थी सहायता शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	25.00
अकादमिक परियोजना/भ्रमण शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	750.00
साहित्य एवं सांस्कृतिक शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	25.00
प्रयोगशाला शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	1000.00
		रु.	**4520.00**

3.3.2. एम.फिल. जनसंचार माध्यम एवं सम्प्रेषण

एम.फिल. जनसंचार माध्यम एवं सम्प्रेषण पाठ्‌यक्रम एक वर्ष का है जो दो छमाहियों में पूरा होता है। पहली छमाही में तीन प्रश्न-पत्र होंगे। दूसरी छमाही में एक लघुशोध प्रबंध प्रस्तुत करना होगा और एक मौखिक परीक्षा भी ली जाएगी। पूरा पाठ्‌यक्रम 22 क्रेडिट का है। पहली छमाही में तीन प्रश्न-पत्र-12 क्रेडिट के होंगे और दूसरी छमाही में लघु शोधप्रबंध 8 क्रेडिट का और मौखिक परीक्षा 2 क्रेडिट की होगी। इस पाठ्‌यक्रम में कुल 14 सीटें हैं।

योग्यता :

सम्बद्ध अनुशासन में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। *(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50 प्रतिशत)*

शुल्क

प्रवेश शुल्क	:	रु. 200.00
छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु. 800.00
सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	:	रु. 1000.00
पुस्तकालय/प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु. 750.00
पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	:	रु. 50.00
खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	:	रु. 125.00
इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	:	रु. 250.00
चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	:	रु. 50.00
परिचय पत्र शुल्क	:	रु. 20.00
विद्यार्थी सहायता शुल्क (वार्षिक)	:	रु. 25.00
अकादमिक परियोजना/भ्रमण शुल्क (वार्षिक)	:	रु. 750.00
सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क (वार्षिक)	:	रु. 25.00
प्रयोगशाला शुल्क (वार्षिक)	:	रु. 750.00
		रु. 4795.00

3.3.3. पी-एच.डी. जनसंचार माध्यम एवं सम्प्रेषण

पी-एच.डी. जनसंचार माध्यम एवं सम्प्रेषण के अन्तर्गत पी-एच.डी. पाठ्यक्रम चल रहा है।

योग्यता :

सम्बद्ध अनुशासन में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। *(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50 प्रतिशत)*

वांछनीय :

सम्बद्ध अनुशासन में एम.फिल./जे.आर.एफ./नेट/अन्य राष्ट्रीय परीक्षा।

शुल्क

पंजीकरण शुल्क	:	रु. 300.00	(केवल प्रवेश के समय)
कम्प्यूटर शुल्क	:	रु. 1000.00	(प्रति वर्ष)
पुस्तकालय शुल्क	:	रु. 300.00	(प्रति वर्ष)
प्रतिभूति राशि	:	रु. 1000.00	(प्रतिदेय)
परीक्षा शुल्क	:	रु. 1000.00	(शोध प्रस्तुति के समय)
चिकित्सा शुल्क	:	रु. 50.00	(वार्षिक)
		रु. 3650.00	

3.4. डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर दलित एवं जनजाति अध्ययन केन्द्र

3.4.1. एम. ए. दलित एवं जनजाति अध्ययन

हिन्दी में अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर दलित तथा जनजातीय अध्ययन को विस्तार देने की दृष्टि से एम. ए. दलित एवं जनजाति अध्ययन में दो वर्षीय पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम चार छमाहियों में पूरा होता है। यह पाठ्यक्रम 64 क्रेडिट का है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का है। इस पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता :

किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण। *(अनुसूचित जाति/जनजाति के लिए 45 प्रतिशत)*

शुल्क

प्रवेश शुल्क	:	रु.	150.00
छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	500.00
सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	:	रु.	250.00
पुस्तकालय/प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	200.00
पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
परिचय पत्र शुल्क	:	रु.	20.00
सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क	:	रु.	25.00
इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	200.00
चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
अकादमिक/परियोजना भ्रमण	:	रु.	110.00
		रु.	**1605.00**

3.5. महात्मा गांधी फ्यूजी-गुरुजी शांति अध्ययन केन्द्र

3.5.1. समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि

यह दो-वर्षीय पाठ्यक्रम है।

योग्यता : समाज कार्य/समाज विज्ञान/मानविकी अध्ययन में किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण।

शुल्क

प्रवेश शुल्क	:	रु.	150.00
छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	500.00
सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	:	रु.	250.00
पुस्तकालय/प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	200.00
पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
परिचय पत्र शुल्क	:	रु.	20.00
सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क	:	रु.	25.00
इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	200.00
चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
अकादमिक/परियोजना भ्रमण	:	रु.	110.00
		रु.	**1605.00**

4. अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ

इस विद्यापीठ के अन्तर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित हैं :–

(1) एम.ए. हिन्दी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)

(2) एम.फिल. हिन्दी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)

(3) पी-एच.डी. हिन्दी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)

(4) विदेशी भाषा में दो वर्षीय अनुवाद एवं निर्वचन डिप्लोमा

इन पाठ्यक्रमों का उद्देश्य है :–

1. विभिन्न ज्ञान अनुशासनों में अनुवाद प्रक्रिया का विकास करना।
2. हिन्दी से विदेशी एवं भारतीय भाषाओं में यंत्रानुवाद की प्रक्रिया का विकास करना।
3. निर्वचन को एक स्वतंत्र अनुशासन के रूप में विकसित करना और इस दिशा में अनुसन्धान करना।
4. विदेशी एवं भारतीय भाषाओं में हिन्दी दुभाषिये तैयार करना।
5. अनुवाद को वर्तमान सांस्कृतिक, सामाजिक एवं प्रयोजनपरक प्रविधियों से जोड़ते हुए उसके व्यावहारिक पक्ष को विकसित करना।
6. भारतीय एवं वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी को अनुवाद के माध्यम से सम्पन्न भाषा बनाना।
7. अनुवाद अनुशासन को विदेशी और द्वितीय भाषा शिक्षण में एक प्रमुख उपकरण के रूप में विकसित करना।
8. प्रतीकान्तरण (Inter Semiotic Translation) का फिल्म, दूरदर्शन, आकाशवाणी एवं रंगमंच आदि में विकास करना।

   उपर्युक्त पाठ्यक्रमों के अलावा अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ के अन्तर्गत अध्यापकों की उपलब्धता पर सत्र : 2009-10 से निम्न प्रस्तावित स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू किए जा सकते हैं।

   1) पर्यटन प्रबन्धन
   2) सिनेमैटिक अनुवाद (डबिंग/सबटाइटलिंग)
   3) ज्ञान प्रौद्योगिकी और अनुवाद।

4.1. एम. ए. हिन्दी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)

एम.ए. हिन्दी (अनुवाद प्रौद्योगिकी) का दो वर्षीय नियमित पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है। यह पाठ्यक्रम चार छमाहियों में पूरा होता है। यह पाठ्यक्रम 64 क्रेडिट का है। इसके साथ ही कम्प्यूटर का अध्ययन अनिवार्य है जो प्रत्येक छमाही में 2 क्रेडिट का है। इसके अतिरिक्त एक विदेशी भाषा का अध्ययन आवश्यक है। इस पाठ्यक्रम में कुल 28 सीटें हैं।

योग्यता :

1. किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी अनुशासन में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातक (10+2+3 पाठ्यक्रम) परीक्षा उत्तीर्ण। *(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 45 प्रतिशत)*
2. हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा के साथ स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को वरीयता दी जायेगी।

शुल्क

प्रवेश शुल्क	:	रु.	150.00
छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	500.00
सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	:	रु.	250.00
पुस्तकालय/प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	200.00
पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
परिचय पत्र शुल्क	:	रु.	20.00
सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क	:	रु.	25.00
इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	200.00
चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
अकादमिक/परियोजना भ्रमण	:	रु.	110.00
		रु.	**1605.00**

4.2. एम.फिल. हिन्दी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)

एम.फिल. हिन्दी (अनुवाद प्रौद्योगिकी) पाठ्यक्रम एक वर्ष का होगा। पहली छमाही में नियमित कक्षाएँ होंगी व दूसरी छमाही में विद्यार्थी अपना लघु शोध-प्रबन्ध पूरा करेंगे। कुल 22 क्रेडिट के इस पाठ्यक्रम में 12 क्रेडिट के तीन प्रश्नपत्र होंगे और 8 क्रेडिट का लघु शोधप्रबन्ध और 2 क्रेडिट की मौखिक परीक्षा होगी। इस पाठ्यक्रम में कुल 14 सीटें हैं।

योग्यता :

सम्बद्ध अनुशासन में किसी भी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। *(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50 प्रतिशत)*

शुल्क

प्रवेश शुल्क	:	रु.	150.00
छमाही शिक्षण शुल्क	:	रु.	500.00
सुरक्षा शुल्क (प्रत्यर्पणीय)	:	रु.	250.00
पुस्तकालय/प्रयोगशाला संरक्षण शुल्क	:	रु.	200.00
पुस्तकालय शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
खेलकूद शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	125.00
परिचय पत्र शुल्क	:	रु.	20.00
सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क	:	रु.	25.00
इंटरनेट शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	200.00
चिकित्सा शुल्क (वार्षिक)	:	रु.	50.00
अकादमिक/परियोजना भ्रमण	:	रु.	300.00
		रु.	**1870.00**

4.3. पी-एच.डी. हिन्दी (अनुवाद प्रौद्योगिकी)

पी-एच.डी. हिन्दी (अनुवाद प्रौद्योगिकी) के अन्तर्गत पी-एच.डी. पाठ्यक्रम चल रहा है। पाठ्यक्रम की अवधि न्यूनतम 02 और अधिकतम 05 वर्ष है। सीटों की संख्या शोध निर्देशकों और रिक्त स्थानों के आधार पर घट-बढ़ सकती है।

योग्यता :

सम्बद्ध अनुशासन में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण। *(अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के लिए 50 प्रतिशत)*

वांछनीय :

सम्बद्ध अनुशासन में एम.फिल./जे.आर.एफ./नेट/स्लेट (जून 2002 से पूर्व) या यू.जी.सी. द्वारा मान्य अन्य राष्ट्रीय परीक्षा।

सम्बद्ध अनुशासन :

हिन्दी, अनुवाद प्रौद्योगिकी, भाषा-विज्ञान।

शुल्क

पंजीकरण शुल्क	:	रु.	300.00	(केवल प्रवेश के समय)
कम्प्यूटर शुल्क	:	रु.	1000.00	(प्रति वर्ष)
पुस्तकालय शुल्क	:	रु.	300.00	(प्रति वर्ष)
प्रतिभूति राशि	:	रु.	1000.00	(प्रतिदेय)
परीक्षा शुल्क	:	रु.	1000.00	(शोध प्रस्तुति के समय)
चिकित्सा शुल्क	:	रु.	50.00	(वार्षिक)
		रु.	**3650.00**	

4.4. विदेशी भाषाओं में दो वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम

4.4.1. अनुवाद एवं निर्वचन में डिप्लोमा : हिन्दी-चीनी

यह चार छमाही का (दो वर्षीय) पाठ्यक्रम है। प्रथम दो छमाही में चीनी-भाषा का अध्ययन होगा। तीसरी एवं चौथी छमाही में हिन्दी-चीनी अनुवाद एवं निर्वचन का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शैक्षणिक योग्यता : 10+2 पाठ्यक्रम परीक्षा उत्तीर्ण।

शुल्क : 1500/-

4.4.2. अनुवाद एवं निर्वचन में डिप्लोमा : हिन्दी-स्पेनिश

यह चार छमाही का (दो वर्षीय) पाठ्यक्रम है। प्रथम दो छमाही में स्पेनिश-भाषा का अध्ययन होगा। तीसरी एवं चौथी छमाही में हिन्दी-स्पेनिश अनुवाद एवं निर्वचन का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शैक्षणिक योग्यता : 10+2 पाठ्यक्रम परीक्षा उत्तीर्ण।

शुल्क : 1500/-

4.4.3. अनुवाद एवं निर्वचन में डिप्लोमा : हिन्दी-फ्रेंच

यह चार छमाही का (दो वर्षीय) पाठ्यक्रम है। प्रथम दो छमाही में फ्रेंच-भाषा का अध्ययन होगा। तीसरी एवं चौथी छमाही में हिन्दी-फ्रेंच अनुवाद एवं निर्वचन का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शैक्षणिक योग्यता : 10+2 पाठ्यक्रम परीक्षा उत्तीर्ण।

शुल्क : 1500/-

4.4.4. अनुवाद एवं निर्वचन में डिप्लोमा : हिन्दी-जापानी

यह चार छमाही का (दो वर्षीय) पाठ्यक्रम है। प्रथम दो छमाही में जापानी-भाषा का अध्ययन होगा। तीसरी एवं चौथी छमाही में हिन्दी-जापानी अनुवाद एवं निर्वचन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। (अध्यापक के उपलब्धता के अनुसार शुरू किया जाएगा।)

शैक्षणिक योग्यता : 10+2 पाठ्यक्रम परीक्षा उत्तीर्ण।

शुल्क : 1500/-

6. विदेशियों के लिए हिन्दी पाठ्यक्रम

आवश्यकता/सरोकार/उद्देश्य

भारत एक बहुभाषिक देश है जहाँ 1632 मातृभाषाएँ बोली जाती हैं। हिन्दी यहाँ की मुख्य सम्पर्क भाषा है।

भारत की यात्रा करते हुए विदेशी सम्प्रेषण को लेकर चिन्तित होता है। यदि वह जानता है कि इस बहुभाषी देश में एक सम्पर्क भाषा सम्प्रेषण की समस्या को हल कर सकती है तो वह कम-से-कम, उस भाषा का कार्यकारी ज्ञान प्राप्त करना चाहता है और यदि वह विदेशी देश की संस्कृति में रुचि रखता है या उसके सम्बन्ध में अध्ययन करना चाहता है तो उसे उस भाषा विशेष का अपेक्षाकृत गहन अध्ययन करना होगा।

उपर्युक्त व्यावहारिक आवश्यकता ने विश्वविद्यालय को विदेशियों हेतु हिन्दी के प्रयोजनमूलक, साहित्यिक और सांस्कृतिक घटकों की जानकारी प्रदान करने के लिए समुचित हिन्दी पाठ्यक्रम आरम्भ करने की प्रेरणा दी है।

विश्वभाषा हिन्दी में डिप्लोमा, भाषा विद्यापीठ के अन्तर्गत वर्ष 2007 से प्रारम्भ किया गया है।

1. विदेशियों के लिए तीन वर्ष का बी.ए. पाठ्यक्रम हिन्दी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति, साहित्य विद्यापीठ के अन्तर्गत।
2. विश्वभाषा हिन्दी में डिप्लोमा, भाषा विद्यापीठ के अन्तर्गत (एक वर्ष)।

7. आरक्षण

1. विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश-परीक्षा में उत्तीर्ण अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/विकलांग/पूर्वोत्तर प्रांत के अभ्यर्थियों को प्रवेश में यू.जी.सी./मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा समय-समय पर लागू होनेवाले आरक्षण निर्देशों के अनुसार आरक्षण का लाभ दिया जाएगा।
2. सेवा-निवृत्त सेना कर्मचारियों के वार्ड को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पत्र सं. डी.ओ./एफ. -19-8/2008-डेस्क (यू.), दिनांक 29.05.08 के अनुसार एवं कार्यपरिषद् की 35वीं बैठक दिनांक 07.12.2008 में लिए गए निर्णयानुसार प्रवेश में पाँच प्रतिशत सीटों का आरक्षण रखा गया है।
3. केन्द्रीय संस्थानों में सफाई-कर्मियों के वार्ड को मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पत्र सं. डी.ओ./एफ.-19-15/2007-डेस्क (यू.), दिनांक 17.08.08 के अनुसार एवं कार्यपरिषद् की 35वीं बैठक दिनांक 07.12.2008 में लिए गए निर्णयानुसार केन्द्रीय संस्थानों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों के वार्ड को तकनीकी एवं उच्चशिक्षा निःशुल्क दी जाएगी।
4. कश्मीरी विस्थापितों को प्रवेश में आरक्षण तथा प्रवेश-तिथि के सन्दर्भ में मानव संसाधन विकास मंत्रालय के पत्र सं. डी.ओ./एफ.-10-1/2008-डेस्क (यू.), दिनांक 07.03.08 के अनुपालन में एवं कार्यपरिषद् की 35वीं बैठक दिनांक 07.12.2008 में लिए गए निर्णयानुसार कश्मीरी विस्थापितों को प्रवेश-तिथि में 30 दिन अधिक का समय दिया जाएगा, प्रवेश-परीक्षा के प्राप्तांक में 10 प्रतिशत की छूट तथा पाठ्यक्रमवार सीटों की संख्या में पाँच प्रतिशत की वृद्धि तथा अधिवास प्रमाण के संबंध में अधित्याग करने एवं प्रव्रजन प्रमाण-पत्र में दूसरे वर्ष या उसके बाद जमा करने की छूट दी जाएगी।

८. छात्रावास

विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेशोपरान्त छात्रों को छात्रावास की सुविधा उपलब्धता के आधार पर प्रदान की जाती है। नियमित पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए चयनित अभ्यर्थी, जो छात्रावास में रहने के इच्छुक होते हैं, उन्हें पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए 15 दिनों के भीतर डीन, छात्र कल्याण के समक्ष छात्रावास संबंधी आवेदन-पत्र भरकर एवं आवास प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति लगाकर प्रस्तुत करना होता है। (आवास प्रमाण-पत्र ग्राम प्रधान/ब्लाक प्रमुख/तहसीलदार द्वारा सत्यापित हो)।

छात्रावास से संबंधित विश्वविद्यालय में लागू अध्यादेश/नियम के अनुसार छात्रावास में प्रवेश हेतु चयनित विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाएगा।

समय-समय पर यू.जी.सी. द्वारा लागू नियम के अनुसार एस.सी., एस.टी. छात्र/छात्राओं को छात्रावास में प्रवेश दिया जाएगा।

(डिप्लोमा पाठ्यक्रम के लिए छात्रावास सुविधा नहीं दी जाएगी।)

9. प्रवेश नियम

(एम.ए./एम.फिल./पी-एच.डी.)

1) विश्वविद्यालय द्वारा संचालित एम.ए./एम.फिल./पी-एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए निर्धारित अर्हता रखने वाले एवं पूर्णरूप से आवेदन-पत्र भरकर जमा करने वाले अभ्यर्थियों को प्रवेश-पत्र जारी किया जाएगा।
2) प्रवेश-प्रक्रिया (एम.ए. तथा एम.फिल.) क्रमशः दो चरणों में पूरी होगी :–
   - पहले चरण में लिखित परीक्षा होगी। इसमें संबंधित विषय की सामान्य जानकारी/समझ से संबद्ध वस्तुनिष्ठ, लघु-उत्तरीय और दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न होंगे।
   - दूसरे चरण में साक्षात्कार होगा। साक्षात्कार के लिए उन्हीं अभ्यर्थियों को बुलाया जाएगा जो प्रवेश के लिए आयोजित लिखित-परीक्षा में सफल होंगे।
3) पी-एच.डी. हेतु प्रवेश तीन चरणों में होगा।
   - पहले चरण में लिखित परीक्षा
   - द्वितीय चरण में Interactive Session /कार्यशाला
   - तृतीय चरण में साक्षात्कार होगा।
4) निर्धारित आवेदन प्रपत्र के आधार पर आवेदकों को मई/जून माह में विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित विभिन्न केन्द्र (वर्धा, भोपाल, हैदराबाद, दिल्ली, इलाहाबाद, पटना, कोलकाता) में लिखित-परीक्षा के लिए बुलाया जाएगा (अभ्यर्थियों की संख्या के आधार पर परीक्षा केन्द्र बढ़ाये जाने या घटाने का अधिकार विश्वविद्यालय के पास सुरक्षित रहेगा। तत्पश्चात् चयनित अभ्यर्थियों को जुलाई माह में साक्षात्कार/परिचर्चा के लिए मुख्य परिसर, वर्धा में आमंत्रित किया जाएगा।
5) **माइग्रेशन :** प्रत्येक चयनित विद्यार्थी को मूल प्रव्रजन प्रमाण-पत्र विश्वविद्यालय में जमा कराना अनिवार्य है। जो चयनित विद्यार्थी प्रवेश के दौरान किसी कारणवश प्रव्रजन प्रमाणपत्र जमा न करा सकें उन एम.ए./एम.फिल. पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को प्रथम सेमेस्टर परीक्षा से पूर्व उसे जमा कराना होगा अन्यथा परीक्षा की अनुमति नहीं दी जाएगी। पी-एच.डी. छात्रों को इसके लिए प्रवेशोपरांत एक माह तक का समय दिया जाएगा अन्यथा प्रवेश निरस्त किया जाएगा।
6) चयनित अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय में प्रवेश लेते समय अपने सभी शैक्षणिक प्रमाण-पत्र/दस्तावेजों की मूलप्रति सत्यापन के लिए उपलब्ध करानी होगी।
7) पी-एच.डी. पाठ्यक्रम के नियमित होने की वजह से किसी संस्था में कार्यरत अभ्यर्थी को पी-एच.डी. अथवा सर्विस दोनों में किसी एक को चुनना पड़ेगा।
8) विश्वविद्यालय परिसर अथवा छात्रावास में रैगिंग पूर्णतः प्रतिबन्धित है। उल्लंघन करने वाले छात्र/छात्राओं के ऊपर कड़ी/कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

10. विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाएँ

विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान करता है –

1) उपलब्धता के आधार पर छात्रावास की सुविधा। छात्रावास में प्रवेश के समय निर्धारित छात्रावास शुल्क लिया जाएगा।

2) सभी छात्रों की स्वास्थ्य-बीमा योजना के तहत सेवाग्राम मेडिकल कालेज में बीमा-कार्ड की सुविधा। (*निर्धारित समय पर*)

3) अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों से छात्रावास शुल्क नहीं लिया जाएगा।

4) छात्रों को शहर से परिसर ले आने और जाने के लिए रियायती शुल्क पर बस की सुविधा।

5) प्रत्येक को इंटरनेट की सुविधा।

6) विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मानदण्डों के आधार पर एम.ए. पाठ्यक्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों को मेधा छात्रवृत्ति दी जाएगी।

7) विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के आधुनिकतम संसाधनों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला स्थापित की गयी है। यहाँ न सिर्फ इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है, बल्कि कम्प्यूटर के अनिवार्य-शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को शोध और ज्ञान की अधुनातन प्रविधियों से भी अवगत कराया जाता है।

8) विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय में न सिर्फ वर्तमान में चल रहे पाठ्यक्रमों को केन्द्रित करते हुए बल्कि भविष्य में करणीय अधुनातन शोध की दिशाओं को ध्यान में रखते हुए विभिन्न विषयों से सम्बन्धित पुस्तकों, पत्रिकाओं का एक व्यवस्थित और विशाल संग्रह किया जा रहा है। जहाँ एक ओर सभी विषयों से सम्बन्धित नवीनतम पुस्तकों का एक अच्छा संग्रह यहाँ उपलब्ध है, वहीं दूसरी ओर हिन्दी की पुरानी छपी दुर्लभ पुस्तकों और पाण्डुलिपियों को 'विश्व हिन्दी संग्रहालय' एवं 'अभिलेखागार' में संरक्षित किया जा रहा है।

9) खेलकूद

10) रंगशाला/थियेटर : सत्यजीत-रे सिने फिल्म सोसाइटी।

11) नाट्य-परिषद् : ब. व. कारंत नाट्य-परिषद्

12) संवाद कार्यक्रम।

11. आवेदन प्राप्ति और जमा करने का पता

उप कुलसचिव (अकादमिक)

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

मानस मंदिर पोस्ट ऑफिस, पंचटीला, वर्धा–442 001 (महाराष्ट्र) भारत

फ़ोन : (07152) 251661, 230902, फ़ोन-फ़ैक्स : (07152) 230903

ई-मेल : hindiuni_wda@sanchrnet.in, info@hindivishwa.org

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

12. अकादमिक कैलेण्डर : 2009-10

1.	आवेदन प्रपत्र सहित विवरणिका प्राप्त करने की तिथि	:	15 अप्रैल, 2009
2.	आवेदन प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि	:	31 मई, 2009
3.	लिखित प्रवेश-परीक्षा तिथि (एम.ए./एम.फिल.)	:	14 जून, 2009
4.	एम.ए. साक्षात्कार तिथि	:	07, 08 जुलाई, 2009
5.	एम.फिल. साक्षात्कार तिथि	:	10, 11 जुलाई, 2009
6.	पी-एच.डी. (लिखित परीक्षा—मुख्यालय वर्धा में)	:	15 जुलाई, 2009
7.	पी-एच.डी. (अन्तरक्रियात्मक सत्र/सामूहिक चर्चा) (मुख्यालय वर्धा में)	:	30, 31 जुलाई, 2009
8.	पी-एच.डी. *साक्षात्कार तिथि*	:	01 अगस्त, 2009

शैक्षणिक सत्र

1.	एम.ए. छमाही (प्रथम, तृतीय)	:	03 अगस्त, 2009 से 04 दिसम्बर, 2009 तक
2.	एम.फिल. छमाही (प्रथम)	:	03 अगस्त, 2009 से 04 दिसम्बर, 2009 तक
3.	एम.ए. छमाही (द्वितीय, चतुर्थ)	:	18 जनवरी, 2010 से 26 अप्रैल, 2010 तक
4.	एम.फिल. छमाही (द्वितीय)	:	18 जनवरी, 2010 से 26 अप्रैल, 2010 तक

अध्ययन-सत्र

मानसून सत्र	:	03 अगस्त, 2009 से 03 जनवरी, 2010 तक
शीत सत्र	:	18 जनवरी, 2010 से 15 मई, 2010

सत्रांत अवकाश

शीतावकाश	:	04 जनवरी, 2010 से 17 जनवरी, 2010 तक
ग्रीष्मावकाश	:	16 मई, 2010 से 30 जून, 2010 तक

लीला

'लीला' (Laboratory in Informatics for the Liberal Arts) महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के अन्तर्गत स्थापित सूचना-प्रौद्योगिकी अनुषंग है।

इक्कीसवीं सदी की विश्वव्यवस्था में सामान्यतः और शिक्षा के क्षेत्र में विशेषतः सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी की केन्द्रीय उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने अभिकलन (computing) से प्रगाढ़ व्यावहारिक परिचय को अनिवार्य पाठ्यचर्या के रूप में अपनी पाठ्यसंहिता के अन्तर्गत रखा है।

विश्वविद्यालय के सभी पाठ्यक्रमों में अभिकलन-आधारित पाठ्यचर्याओं का निर्धारण एवं शिक्षण, अभिकलन-मूलक स्वतंत्र पाठ्यक्रमों को चलाना, 'लीला' की जिम्मेदारियाँ हैं। संक्षेप में, विश्वविद्यालय की अभिकलन-प्रस्तुति की सूत्रधारिता 'लीला' का कार्य है।

'लीला' ने अपनी योजनाओं में भावी अभिकलन (futuristic computing) को ध्यान में रखकर विश्वविद्यालय की वेबसाइट से लेकर पाठ्यचर्या निर्माण तक अपनी गतिविधियों को मुक्त सॉफ्टवेयर (free software) पर आधारित किया है।

कम्प्यूटर प्रयोगशाला

शिक्षा के आधुनिकतम संसाधनों को विद्यार्थियों को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय में एक कम्प्यूटर प्रयोगशाला स्थापित की गई है। यहाँ न सिर्फ इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध है बल्कि कम्प्यूटर के अनिवार्य-शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को शोध और ज्ञान की अधुनातन प्रविधियों से भी अवगत कराया जाता है।

पुस्तकालय

विश्वविद्यालय के केन्द्रीय पुस्तकालय में न सिर्फ चल रहे पाठ्यक्रमों को ध्यान में रखकर बल्कि भविष्य में अधुनातन शोध की दिशाओं को ध्यान में रखते हुए पुस्तकों, पत्रिकाओं, शोध-पत्रिकाओं का एक व्यवस्थित और विशाल संग्रह किया जा रहा है। सभी विषयों से संबंधित नवीनतम पुस्तकें यहाँ उपलब्ध हैं। साथ ही, हिन्दी की पुरानी छपी हुई पुस्तकों का एक अभिलेखागार भी यहाँ तैयार किया जा रहा है।

केन्द्रीय पुस्तकालय के अलावा प्रत्येक विभाग में विभागीय पुस्तकालय का व्यवस्था भी की गयी है।

दूर शिक्षा कार्यक्रम

विश्वविद्यालय के अधिनियम की धारा 4 में उल्लिखित विश्वविद्यालय के उद्देश्यों में बताया गया है कि **'विश्वविद्यालय का उद्देश्य . . . दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिन्दी को लोकप्रिय बनाना होगा'**। साथ ही **धारा 5 के उपबन्ध (5)** के अन्तर्गत विश्वविद्यालय को प्रदत्त शक्तियों में यह बताया गया है कि **'दूर शिक्षा के माध्यम से उन व्यक्तियों को जिनके बारे में वह अवधारित करे, सुविधाएँ प्रदान करना है'**।

इस पृष्ठभूमि के आलोक में 15 जून, 2007 को महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा कार्यक्रम का उद्घाटन **भारत के राष्ट्रपति एवं विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष महामहिम डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम** द्वारा किया गया।

विश्वविद्यालय के दूर शिक्षा केन्द्र का उद्देश्य हिन्दी भाषा के माध्यम से ज्ञान के नवीनतम अनुशासनों की शिक्षा समाज के हर तबके—विशेष तौर पर समाज के हाशिए पर रह रहे शिक्षा से वंचित लोगों तक पहुँचाना है। यह केन्द्र हिन्दी भाषा को आधार बनाकर प्रबन्धन, सूचना प्रौद्योगिकी, अनुवाद आदि अनुशासनों में शिक्षण, मौलिक सोच एवं लेखन को प्रोत्साहित करने हेतु कटिबद्ध है। यह केन्द्र स्त्री-अध्ययन, अहिंसा एवं शांति अध्ययन जैसे नवीनतम अनुशासनों को व्यापक समाज तक पहुँचाने का प्रयास करेगा ताकि विश्वशान्ति एवं समता जैसे मूल्यों को व्यावहारिक तौर पर सिद्ध किया जा सके। हिन्दी में मौलिक-वैकल्पिक सोच एवं शोध के लिए प्रतिबद्ध इस विश्वविद्यालय का दूर शिक्षा केन्द्र यह प्रयास करेगा कि एक ओर दूर शिक्षा कार्यक्रम शोध/अनुसंधान द्वारा हिन्दी एवं ज्ञान के अनुशासनों में मौलिक सृजन करे, साथ ही, दूसरी ओर हिन्दी भाषा के माध्यम से रोजगारोन्मुख पाठ्यक्रमों द्वारा समाज की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सके। देश में उच्च शिक्षा के लगातार महँगे एवं आमजन की पहुँच से दूर होने के इस दौर में दूर शिक्षा की भूमिका निर्विवाद एवं महत्त्वपूर्ण है। अतः यह केन्द्र उन सभी व्यक्तियों के लिए शिक्षा प्राप्ति का एक बेहतर अवसर प्रदान कर सकेगा जो किसी कारण शिक्षा प्राप्त नहीं कर सके। आशा है कि इसी राह पर चलते हुए यह केन्द्र अपने **ध्येय 'शिक्षा जन-जन के द्वार'** को चरितार्थ कर सकेगा।

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय का दूर शिक्षा केन्द्र वर्तमान शिक्षा व्यवस्था के लिए विकल्प उपस्थित करने, हिन्दी में मौलिक सोच एवं अनुसंधान, समाज के हर तबके—विशेष तौर पर शिक्षा से वंचित तबकों—के लिए उच्च शिक्षा तक पहुँच आसान बनाने हेतु ज्ञान के नवीनतम अनुशासनों की हिन्दी भाषा के माध्यम से मौलिक प्रस्तुति एवं नवीनतम तकनीकों का प्रयोग करते हुए दूर शिक्षा कार्यक्रमों के हिन्दी माध्यम से प्रचार-प्रसार को सुनिश्चित करेगा।

उद्देश्य :

- परम्परागत व्यवस्था से लाभ उठाने से वंचित रहने वालों को उच्च शिक्षा में बेहतरीन अवसर उपलब्ध कराना।
- वृहत हिन्दी-भाषी समुदाय हेतु उच्च शिक्षा के लिए उच्च शिक्षा में अत्याधुनिक, तकनीकी एवं विशिष्ट अनुशासनों के अवसरों में वृद्धि करना।
- हिन्दी माध्यम से डिग्री प्राप्त करने वाले इच्छुक अभ्यर्थी की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए अधिकतम सुविधाएँ उपलब्ध कराना।
- नवस्नातकों को पाठ्यक्रम की सफलतापूर्वक समाप्ति पर रोजगार के नए एवं बेहतर अवसरों की ओर उन्मुख करने हेतु रोजगारपरक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराना।
- शिक्षा की इस पद्धति द्वारा हिन्दी में ''वैकल्पिकता'' प्राप्त करने को बढ़ावा देना।
- विश्वविद्यालयों की वर्तमान शैक्षणिक व्यवस्था में बेहतर अन्तरसम्बद्धता उपलब्ध कराने का सक्षम प्रयास करना।

दूर शिक्षा केन्द्र द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण :

1. अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
2. पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
3. महिला सशक्तीकरण एवं विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
4. सृजनात्मक लेखन (हिन्दी) में डिप्लोमा
5. स्नातक (हिन्दी)

<u>नोट</u> : विस्तृत विवरण के लिए दूर शिक्षा कार्यक्रम की विवरणिका देखें। इस सन्दर्भ में जानकारी विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर भी उपलब्ध है।

डॉ. भदन्त आनन्द कौसल्यायन बौद्ध-अध्ययन केन्द्र

14 अप्रैल, 2004 में डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर की जयन्ती के दौरान कार्यक्रम के अध्यक्ष व तत्कालीन कुलपति प्रो. जी. गोपीनाथन ने सर्वप्रथम डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के हिन्दी-प्रेम एवं भारतीय संविधान निर्माण में विशेष योगदान तथा भारत में बौद्ध धम्म को पुनर्जीवित करने के कार्य को सुदृढ़ आधार प्रदान किया। दलितों तथा आदिवासियों के जीवनयापन एवं संस्कृति के अध्ययन तथा उनके विकास को नई दिशा प्रदान करने की व्यापक दृष्टि से विश्वविद्यालय में 'डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर दलित एवं जनजातीय अध्ययन केन्द्र' की आधारशिला भी इसी कार्यक्रम के अन्तर्गत रखी गई।

जिस प्रकार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम विश्वविद्यालय से जुड़ा है, उसी प्रकार इस केन्द्र के नाम के साथ डॉ. भदन्त आनन्द कौसल्यायन का नाम जुड़ा है तथा बौद्ध अध्ययन केन्द्र डॉ. भदन्त आनन्द कौसल्यायन के नाम पर रखा गया है। भदन्तजी के हिन्दी प्रचार-प्रसार में महत्त्व एवं योगदान को देखते हुए उनके नाम पर अध्ययन-केन्द्र का होना उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इसके अध्ययन, अध्यापन तथा शोध के सामाजिक व सांस्कृतिक सरोकारों को व्यापक रूप में प्रस्तुत करता है। राष्ट्रभाषा प्रचार समिति के सचिव तथा प्रधानमंत्री के रूप में भदन्त जी ने हिन्दी भाषा की बड़े उत्साह एवं समर्पित भाव से सेवा की। इस दौरान उन्होंने श्रीलंका, जापान, थाइलैण्ड, ब्रिटेन आदि देशों की यात्राएँ भी की। हिन्दी सेवा के लिए उन्हें विद्यालंकार विश्वविद्यालय (श्रीलंका) द्वारा मानद डी.लिट्. की उपाधि से सम्मानित किया गया तथा हिन्दी साहित्य सम्मेलन (प्रयाग) द्वारा 'साहित्य वाचस्पति' की उपाधि प्रदान की गई। नालंदा महाविहार की ओर से पालि और बौद्ध धर्म की सेवा के लिए उन्हें विद्यापारिध की उपाधि प्रदान की गई।

इस अध्ययन केन्द्र के अन्तर्गत अन्य विश्वविद्यालयों से संयुक्त भूमिका के अन्तर्गत केलानिया विश्वविद्यालय (श्रीलंका) द्वारा भी सहयोग लिया जाएगा और बौद्धसाहित्य एवं बौद्धदर्शन पर लघु पाठ्यक्रमों का संयोजन किया जाएगा। दोनों विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों व अध्यापकों को सुविधा प्रदान करेंगे। विश्वविद्यालय अपने बौद्ध विद्वानों को अध्ययन केन्द्र के अध्यापक तथा शोधार्थी भेजेंगे तथा हिन्दी अध्ययन के लिए विद्यार्थियों को आमंत्रित किया जाएगा। बाह्य-अतिथियों को विश्वविद्यालय द्वारा आवासीय सुविधा प्रदान की जाएगी। इस प्रकार आनेवाली पीढ़ियों के लिए यह अध्ययन केन्द्र अत्यन्त महत्त्वपूर्ण शैक्षिणिक मिसाल कायम करता है।

संचालित पाठ्यक्रमों का विवरण :

1. बौद्ध-अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रवेश शुल्क : रु. 1200/-

योग्यता : किसी भी विषय में स्नातक।

प्रस्तावित पाठ्यक्रमों का विवरण :

1. एम.ए. बौद्ध-अध्ययन
2. पालि में स्नातकोत्तर डिप्लोमा।

विश्वविद्यालय के अधिकारीगण

- कुलाध्यक्ष : महामहिम प्रतिभा देवीसिंह पाटिल
- कुलाधिपति : डॉ. नामवर सिंह
- कुलपति : श्री विभूति नारायण राय
- प्रति कुलपति : प्रो. नदीम हसनैन
- प्रॉक्टर : प्रो. मनोज कुमार
- अधिष्ठाता : अनुवाद एवं निर्वचन विद्यापीठ : प्रो. आत्मप्रकाश श्रीवास्तव
- अधिष्ठाता संस्कृति विद्यापीठ : प्रो. इलीना सेन
- अधिष्ठाता भाषा विद्यापीठ : प्रो. महेन्द्र कुमार सी. पाण्डेय
- विभागाध्यक्ष : साहित्य विभाग, प्रभारी : साहित्य विद्यापीठ : डॉ. हनुमान प्रसाद शुक्ल
- अधिष्ठाता : छात्र-कल्याण : प्रो. इलीना सेन
- निदेशक : दूर शिक्षा : प्रो. नदीम हसनैन
- निदेशक : म.गां.फ्यूजी-गुरुजी शांति अध्ययन केन्द्र : प्रो. मनोज कुमार
- निदेशक : प्रौद्योगिकी अध्ययन केन्द्र : प्रो. महेन्द्र कुमार सी. पाण्डेय
- निदेशक : डॉ. बा.सा.अम्बेडकर दलित एवं जनजाति अध्ययन केन्द्र : प्रो. एल. कारुण्यकारा
- कुलसचिव : श्री राकेश
- वित्ताधिकारी : श्री एस. के. अय्यर
- परीक्षा नियंत्रक : श्री राकेश
- उप कुलसचिव : 1. श्री पी. सरदार सिंह
  2. श्री क़ादर नवाज़ ख़ान
- विशेष कर्तव्य अधिकारी : 1. श्री राकेश
  2. श्री नरेन्द्र सिंह
- सहायक कुलसचिव (वित्त) : श्री सुशील बी. पखीडे
- जनसम्पर्क अधिकारी : श्री बी.एस. मिरगे

हिन्दी भाषा और साहित्य की अभिवृद्धि और विकास

हिन्दी में आधुनिक विमर्शों और अन्तरानुशासनिक विषयों का अध्ययन एवं शोध

हिन्दी को अधिक प्रकार्यात्मक दक्षता और प्रमुख अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में

मान्यता दिलाने के लिए स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय

एक विकल्प

गतिशील, खुला और शैक्षणिक स्थापत्य में काफ़ी लचीला

एक अवधारणा

सबके साथ मैत्री, अपनी समेत सबकी संस्कृतियों का सम्मान

एक अभिप्राय

दूसरों के रुख के लिए जगह, अपने क्षेत्र से बाहर के क्षेत्रों के लिए पहुँच-रास्तों का जाल

हिन्दी

सृजन और विवेक के साथ-साथ ज्ञान, बुद्धि और जिज्ञासा की भाषा

भारत और संसार की बहुभाषिकता के लिए प्रतिबद्ध

सेवाग्राम से कुछ दूर वर्धा में एक नया आश्रम

भाषा, साहित्य, संस्कृति और अनुवाद के चार विद्यापीठ

ज्ञान शान्ति मैत्री

महात्मा गांधी अन्तरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय

मानस मन्दिर पोस्ट ऑफिस, पंचटीला, वर्धा–442 001 (महाराष्ट्र)

फोन : (07152) 230 901, 251661, 230905, फोन-फैक्स : (07152) 230 903

ई-मेल : info@hindivishwa.org, वेबसाइट : www.hindivishwa.org